O. P. JINDAL SCHOOL, SAVITRI NAGAR

Periodic Test – I (Round – I) 2026 – 2027

Class - 9 MM-20

Subject- Hindi Time: 1 Hrs.

Name: _____ Roll No.:_____

प्र0 1निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1X2+2X2=6

समय वह संपत्ति है जो प्रत्येक मनुष्य को ईश्वर की ओर से मिली है। जो लोग इस धन को संचित रीति से बरतते हैं, वे शारीरिक सुख और आत्मिक आनंद प्राप्त करते हैं। इसी समय–संपत्ति के सदुपयोग से एक जंगली मनुष्य सभ्य और देवता स्वरूप बन जाता है। इसी के द्वारा मूर्ख विद्वान, निर्धन धनवान और अज्ञ अनुभवी बन सकता है। संतोष, हर्ष या सुख मनुष्य को प्राप्त नहीं होता है जब तक वह उचित, रीति से समय का सदुपयोग नहीं करता है। समय निःसंदेह एक रत्न राशि है, जो कोई उसे अपरिमित और गणित रूप से अंधाधुंध व्यय करता है, वह दिन–दिन अकिंचन, रिक्तहस्त और दरिद्र होता जाता है। वह आजीवन खिन्न और भाग्य को कोसता रहता है। मृत्यु भी उसे इस जंजाल और दुःख से छुड़ा नहीं सकती है, प्रत्युत् उसके लिए मृत्यु का आगमन मानव अपराधी के लिए गिरफ्तारी का वारंट है। सच तो यह है कि समय नष्ट करना एक प्रकार की आत्महत्या है।

अंतर केवल इतना ही है कि आत्महत्या सदा के लिए जीवन जंजाल छुड़ा देती है और समय के दुरुपयोग से एक निर्दिष्ट काल तक जीवन मृत्यु की दशा बनी रहती है। ये ही मिनट, घंटे और दिन प्रमाद और अकर्मण्यता में बीतते जाते हैं। यदि मनुष्य विचार करे, गणना करे तो उसकी संख्या महीनों तथा वर्षों तक पहुँचती है। यदि उससे कहा जाता है कि तेरी आयु से दस–पाँच वर्ष घटा दिए जाए तो निःसंदेह उसके हृदय पर भारी आघात पहुँचता है, परंतु वह स्वयं निश्चेष्ट बैठे अपने अमूल्य जीवन को नष्ट कर रहा है और क्षय एवं विनाश पर कुछ भी शोक नहीं करता है। यद्यपि समय की निरुपयोगिता आयु को घटाती है, परंतु यही हानि होती तो अधिक चिंता की बात न थी; कारण, संसार में सबको दीर्घायु प्राप्त नहीं होती है, परंतु सबसे बड़ी हानि जो समय की दुरुपयोगिता एवं अकर्मण्यता से होती है, वह यह कि पुरुषार्थहीन और निरीह पुरुष के विचार अपवित्र और दूषित हो जाते हैं।

वास्तव में बात तो यह है कि मनुष्य कुछ–न–कुछ करने के लिए ही बनाया गया है। जब चित्त और मन लाभदायक कर्म में विलीन नहीं होते, तब उनका झुकाव बुराई और पाप की ओर अवश्य हो जाता है। इस हेतु यदि मनुष्य सचमुच ही मनुष्य बनना चाहता है तो सब कर्मों से बढ़कर श्रेष्ठ कार्य उसके लिए यह कि वह एक पल भी व्यर्थ न खोए। प्रत्येक कार्य के लिए पृथक् समय और प्रत्येक समय के लिए पृथक् कार्य निश्चित करे।

I समय के दुरुपयोग की सबसे बड़ी हानि क्या है?

(क) रूप–सौंदर्य की हानि (ख) स्वास्थ्य की हानि

(ग) धन की हानि (घ) पौरुष की हानि

II हम समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

(क) प्रतिदिन पढ़–लिखकर (ख) सुबह–सवेरे भ्रमण से

(ग) प्रत्येक कार्य के समय निर्धारण से (घ) घड़ी खरीदकर

III व्यक्ति दरिद्र कब होता जाता है ?

IV गद्यांश के अनुसार, व्यक्ति के हृदय पर गहरा आघात कब पहुँचता है ?

प्र0 2 दिए गए प्रश्नों के निर्देशानुसार उत्तर लिखिए– **(1X4 = 4)**

I 'अत्याचार' शब्द में से उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए।

II 'लापरवाही' शब्द में कौन–सा उपसर्ग प्रयुक्त हुआ है ?

III 'वार्षिक' शब्द में कौन–सा प्रत्यय है ?

IV 'आव' प्रत्यय का प्रयोग करके कोई एक शब्द बनाइए।

प्र0 3 निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(1X4=4)

जानवरों में गधा सबसे ज्यादा बुद्धिहीन समझा जाता है। हम जब किसी आदमी को परले दरजे का बेवकूफ कहना चाहते हैं, तो उसे गधा कहते हैं। गधा सचमुच बेवकूफ है या उसके सीधेपन, उसकी निरापद सहिष्णुता ने उसे यह पदवी दे दी है, इसका निश्चय नहीं किया जा सकता। गायें सींग मारती हैं, ब्याई हुई गाय तो अनायास ही सिंहनी का रूप धारण कर लेती है। कुत्ता भी बहुत गरीब जानवर है, लेकिन कभी–कभी उसे भी क्रोध आ ही जाता है किंतु गधे को कभी क्रोध करते नहीं सुना, न देखा। जितना चाहो गरीब को मारो, चाहे जैसी खराब, सड़ी हुई घास सामने डाल दो, उसके चेहरे पर कभी असंतोष की छाया भी न दिखाई देगी।

I प्रस्तुत गद्यांश में किसके सीधेपन के बारे में बताया गया है?

(क) बैल के (ख) गधे के

(ग) भैंस के (घ) कुत्ते के

II किस तरह के आदमी को गधे की संज्ञा दी जाती है?

(क) बिल्कुल बुद्धिहीन व्यक्ति को (ख) सीधे–साधे व्यक्ति को

(ग) बुद्धिमान व्यक्ति को (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं

III 'निरापद सहिष्णुता' से क्या अभिप्राय है?

(क) विपदा में डालने वाली सहनशीलता (ख) किसी को विपदा में न डालने वाली सहनशीलता

(ग) बुद्धिहीन व्यक्ति की सहनशीलता (घ) बुद्धिमान व्यक्ति की सहनशीलता

IV किस जानवर को कभी क्रोध करते न देखा और न सुना गया?

(क) गाय को (ख) कुत्ते को

(ग) बैल को (घ) गधे को

प्र0 3 नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 40 से 60 शब्दों में लिखिए– **(2X3 = 6)**

I 'दो बैलों की कथा' वास्तव में स्वतंत्रता आंदोलन की कहानी है, कैसे ?

II हीरा और मोती एक–दूसरे के प्रति अपना प्रेम और मित्रता कैसे व्यक्त करते थे ?

III 'संगठन में शक्ति है'– 'दो बैलों की कथा' कहानी के आधार पर उत्तर दीजिए।

——0——